प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

वर्चुअल प्रशिक्षण–डेयरी प्रबन्धन

पन्तनगर। 29 फरवरी, 2024। प्रसार शिक्षा निदेशालय के समेटी–उत्तराखण्ड एवं राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबन्ध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद के संयुक्त तत्वाधान में 'डेयरी प्रबन्धन' विषयक तीन–दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण फरवरी 26–28, 2024 को आयोजित किया गया। वर्चुअल प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में डा. जितेन्द्र क्वात्रा, निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी ने प्रशिक्षण के विषय पर प्रकाश डालते हुए इसकी महत्ता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि दूध के मूल्यवर्धित उत्पाद जैसे खोया, पनीर, चीज, घी, मिठाई इत्यादि से कृषक अपने आय में कई गुना वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रायः अखबार अथवा अन्य माध्यम से पता चलता है कि अनेक लोग कृत्रिम पदार्थों को दूध में मिलाकर दूध की गुणवत्ता को खराब कर देते हैं, जो कहीं न कहीं उपभोक्ता के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। डा. शाहजी सम्भाजी फंड, उपनिदेशक, एलॉयड एक्सटेंशन ने इस वर्चुअल प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए मैनेज द्वारा संचालित होने वाले सभी प्रमुख कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक सस्य विज्ञान प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रशिक्षण के उद्देश्य, महत्व एवं विश्वविद्यालय के विषय से सम्बन्धित संकाय सदस्यों द्वारा दिये जाने वाले व्याख्यानों पर विस्तार से चर्चा किया। उन्होंने बताया कि इस तीन–दिवसीय प्रशिक्षण में डेयरी प्रबन्धन परिचय, पशुओं के विभिन्न नस्ल, पशुओं के आवास एवं राशन व्यवस्था, गाय एवं भैंस में उन्नत विधि से प्रजनन, तुरन्त ब्यांत बछड़ों के देखभाल में बरती जाने वाली सावधानियां, स्वच्छ दुग्ध उत्पादन एवं दुग्ध से बनने वाले विभिन्न उत्पाद तथा विपणन, कृषक स्तर पर डेयरी प्रबन्धन सम्बन्धी चुनौतियां एवं समाधान, पशुओं में टीकाकरण, विभिन्न रोग तथा उपचार, डेयरी व्यवसाय की आर्थिकी जैसे विषयों पर व्याख्यान आयोजित किये गये। डा. सुश्रीरेखा दास, मैनेज फेलो ने भी प्रशिक्षण एवं मैनेज द्वारा कृषकोपयोगी संचालित होने वाले अनेक कार्यक्रमों के बारे में अपने विचार साझा किये।

ऑनलाइन प्रशिक्षण में विभिन्न राज्यों जैसे उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार इत्यादि से सहायक प्राध्यापक, विषय वस्तु विशेषज्ञ, स्टार्टअप के प्रतिनिधि, कृषि आधारित उद्यमी, विभागीय अधिकारी व प्रगतिशील कृषक प्रतिभाग किये। इस प्रशिक्षण में कुल 44 प्रशिक्षणार्थी भाग लिये। प्रशिक्षण आयोजन में कु. ज्योति कनवाल, यंग प्रोफेशनल–द्वितीय एवं श्री जगदीश चन्द्र बिष्ट द्वारा भी सराहनीय योगदान दिया गया।

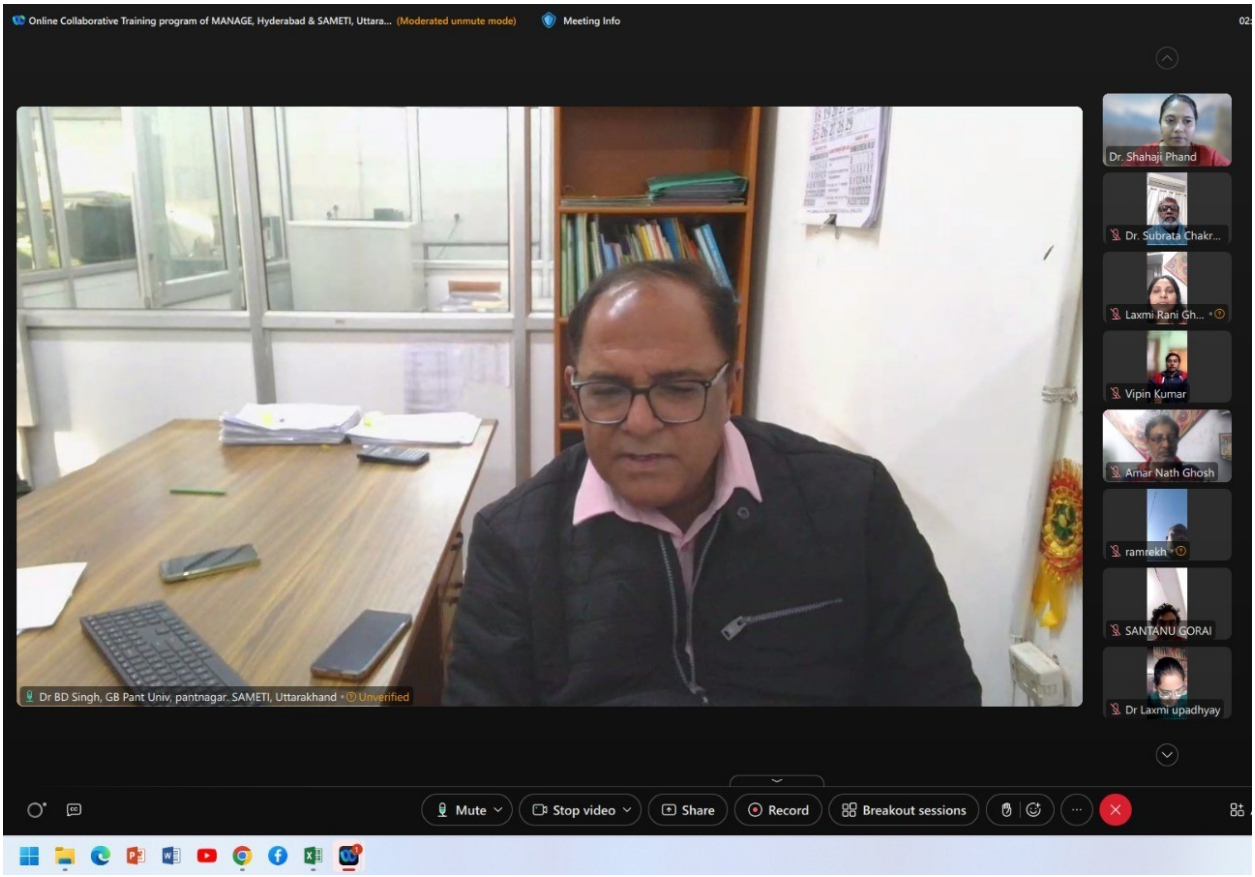

वर्चुअल प्रशिक्षण बैठक करते डा. जितेन्द्र क्वात्रा।

निदेशक संचार